

क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (COPD)

क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज क्या है?

क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) एक फेफड़ों की बीमारी है जिससे सांस लेना मुश्किल हो जाता है। यह आमतौर पर फेफड़ों में जलन और सूजन के वर्षों के कारण फेफड़ों की क्षति का परिणाम है। यह फेफड़ों में वायु प्रवाह को सीमित करता है।

जोखिम

- ✓ धूम्रपान
- ✓ वायु प्रदूषण
- ✓ व्यावसायिक धूल और रसायन
- ✓ अस्थमा / ब्रॉन्कियल अतिसक्रियता
- ✓ आनुवंशिकी
- ✓ फेफड़ों की वृद्धि और विकास
- ✓ क्रोनिक ब्रॉंकाइटिस

संकेत और लक्षण

- ✓ सांस लेने में कठिनाई
- ✓ एक सूखी खांसी
- ✓ खांसी फिट बैठता है जो आपके फेफड़ों से बलगम लाता है
- ✓ घरघराहट और सीने में जकड़न

निदान

- फेफड़े के कार्य परीक्षण आपके फेफड़ों में वायु प्रवाह को मापते हैं और दिखाते हैं कि आप कितनी अच्छी तरह सांस ले सकते हैं।
- रक्त परीक्षण संक्रमण की जांच करते हैं और आपके रक्त में ऑक्सीजन के स्तर को मापते हैं।
- फेफड़ों की अन्य समस्याओं की जांच के लिए छाती का एक्स-रे किया जाता है।
- सीटी स्कैन



इलाज

- शॉर्ट-एक्टिंग बीटा-2-एगोनिस्ट (एल्ब्युटेरोल सल्फेट, लेवलब्यूटेरोल हाइड्रोक्लोराइड, टेर्बुटालीन सल्फेट)
- लंबे समय से अभिनय करने वाले बीटा-2-एगोनिस्ट (फॉर्मोटेरोल फ्यूमरेट, साल्मेटेरोल जिनाफोएट, अफॉर्मोटेरोल टार्ट्रेट)
- शॉर्ट-एक्टिंग एंटीकोलिनर्जिक (इप्रेट्रोपियम ब्रोमाइड, ऑक्सिट्रोपियम ब्रोमाइड)
- लंबे समय तक काम करने वाला एंटीकोलिनर्जिक (टियोट्रोपियम ब्रोमाइड)
- संयोजन शॉर्ट-एक्टिंग बीटा-2-एगोनिस्ट प्लस एंटीकोलिनर्जिक (इप्रेट्रोपियम ब्रोमाइड / एल्ब्युटेरोल सल्फेट)
- कॉम्बिनेशन लॉन्ग-एक्टिंग बीटा-2-एगोनिस्ट प्लस कॉर्टिकोस्टेरोइड (फ्लूटिकासोन प्रोपियोनेट/सैल्मेटेरोल जिनाफोएट, बुडेसोनाइड/फॉर्मोटेरोल)

रोगी परामर्शः:

- ❖ धूम्रपान न करें और धूम्रपान करने वाले अन्य लोगों से बचें।
- ❖ जागरूक रहें और उन चीजों से बचें जो लक्षणों को बदतर बनाती हैं।
- ❖ ठंड का मौसम और अचानक तापमान में बदलाव से उत्तेजना बढ़ सकती है। कारों और रसायनों से निकलने वाले धुएं, वायु प्रदूषण और इत्र भी लक्षणों को बढ़ा सकते हैं।
- ❖ रोज़ कसरत करो। प्रतिदिन कम से कम 20 मिनट व्यायाम करने से ऊर्जा बढ़ाने और सांस की तकलीफ को कम करने में मदद मिल सकती है।